हिन्दी विभाग
रमादेवी महिला विश्वविद्यालय
विद्या विहार, भुवनेश्वर

अंक: 1 सत्र: 2020 - 21

विभागाध्यक्ष के कलम से

विषय सूची

- विभागाध्यक्ष के कलम से
- विभाग के बारे में...
- कार्यक्रम
- संपादक के शब्द
- विभाग की गतिविधियाँ
- सफलता के शिखर पर
- विभाग के सदस्य

मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है कि,रमादेवी महिला विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग से ई न्यूज लेटर का प्रकाशन हो रहा है। यह न्यूज़ लेटर विभाग के वर्षभर के गतिविधियों की झांकी प्रस्तुत करेगी। जिसके माध्यम से विभाग की विशेषताओं एवं उपलब्धियों के बारे में सभी को जानने का अवसर मिलेगा।

मैं कुलपति महोदया से अपेक्षा करती हूं कि, स्नातकोत्तर हिंदी विभाग के क्रियाओं का सुचारु रुप से संपादन करती रहें,ताकि छात्राओं का बहुआयामी विकास संभव हो सके।

शुभेच्छु
डॉ बिमला पात्र
सहायक प्रोफ़ेसर (विभागाध्यक्ष)
हिन्दी विभाग, रमादेवी महिला विश्वविद्यालय

विभाग के बारे में...

हिन्दी विभाग की स्थापना १९७८ में हिंदी विषय पॉस एवं एम. आई. एल कोर्स के साथ हुई थी। १९९२ में ८ सीटों के साथ स्नातक की पढ़ाई आरंभ हुई। अभी ३२ सीटों पर स्नातक की पढ़ाई होती है। स्नातकोत्तर विभाग का आरंभ १९९५ में १६ सीटों के साथ हुआ जिसमें आज ४८ सीटों तक की वृद्धि हुई है। विभाग में एम. फिल की पढ़ाई भी २०१७ से शुरू हो गई। और अभी पीएच. डी के लिए भी विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया ज़ारी है।

कार्यक्रम

संगोष्ठी (ऑनलाइन)
विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत प्रपत्र

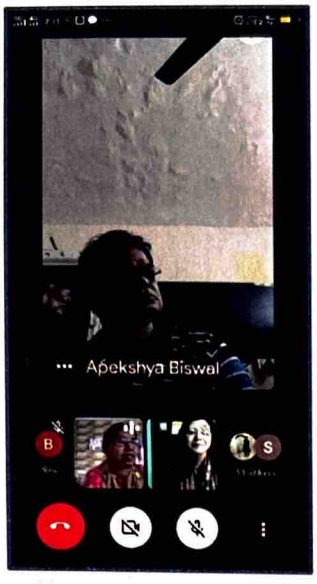

संगोष्ठी (ऑनलाइन)
वक्ता: डॉ. सुशांत कुमार विश्वाल

ऑनलाइन परीक्षा के लिए
विद्यार्थियों के साथ विचार- विमर्श

ऑनलाइन क्लॉस

सुश्री गायत्री गिरी
प्रथम स्थान, वाद - विवाद प्रतियोगिता
पंचक्रोशी शिक्षण मंडल, रहिमतपुर, महाराष्ट्र

सुश्री गायत्री गिरी
प्रथम स्थान, काव्य वाचन प्रतियोगिता
पंचक्रोशी शिक्षण मंडल, रहिमतपुर, महाराष्ट्र

सुश्री अर्चना रथ
प्रथम स्थान, व्याख्यान प्रतियोगिता
बैंक ऑफ बड़ौदा, अंचल कार्यालय, पटना

सुश्री प्रेरणा किशोर
प्रथम स्थान, हिंदी वाद - विवाद प्रतियोगिता
बैंक ऑफ बड़ौदा

संपादक के शब्द...

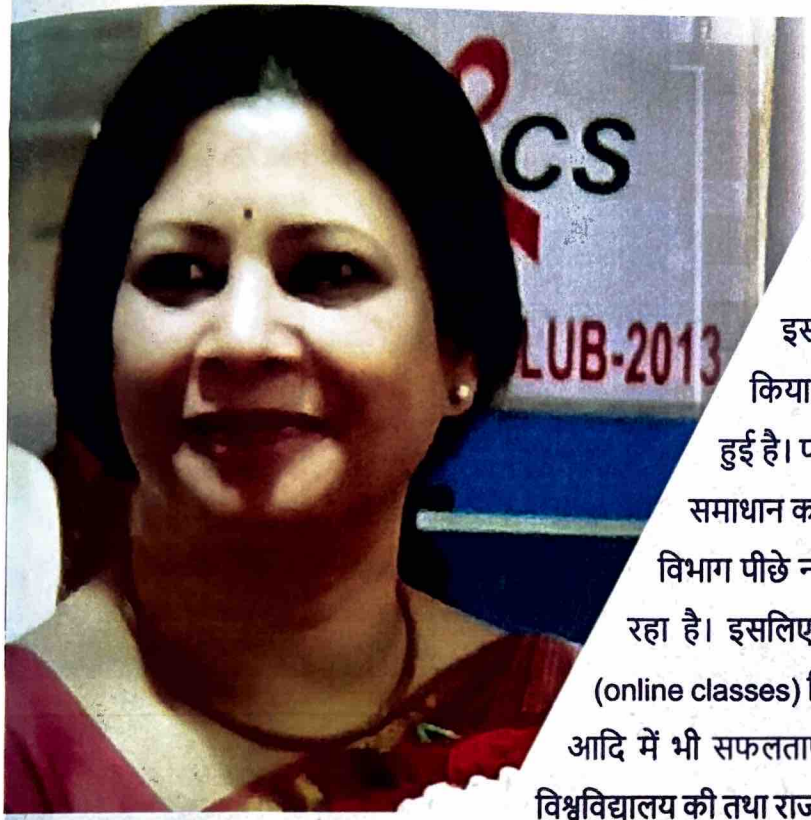

हिंदी विभाग की प्रथम इ- न्यूज़लेटर (E News Letter) प्रकाशन के लिए मेरी ओर से ढ़ेर सारी शुभकामनाएं। जीवन के अनुभव ही मानव को शिक्षा देते हैं। इस कोरोना काल में कमोवेश सबने इस दौर को झेला है और साहस पूर्वक इसका मुकाबला भी किया है। करोना काल में सर्वाधिक क्षति शिक्षा व्यवस्था की हुई है। परंतु मनुष्य जैसे हर समस्या का समाधान करता है और समाधान का जुगाड़ भी कर लेता है।वैसे ही कोरोना काल में हिंदी विभाग पीछे नहीं रहा बल्कि विद्यार्थियों को हमेशा प्रोत्साहित करता रहा है। इसलिए इस दौरान न केवल उन्होंने ऑनलाइन क्लासेस (online classes) किया है बल्कि विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम, प्रतियोगिता आदि में भी सफलतापूर्वक हिस्सा लिया है। उनकी सफलता विभाग की, विश्वविद्यालय की तथा राज्य की सफलता है। मेरी कामना है कि यह प्रक्रिया आगे भी जारी रहे और उत्तरत्तोर उन्नति करें।जिन लोगों ने लड़कियों को अबला कहा है उनके लिए आज लड़कियां सबल रूप में अपनी पहचान बना रही हैं, **यही बात महत्वपूर्ण है।**

शुभेच्छु
डॉ स्नेहलता दास
सहायक प्रोफ़ेसर
हिन्दी विभाग, रमादेवी महिला विश्वविद्यालय

विभाग की गतिविधियाँ

२०२०-२१ सत्र में हिंदी विभाग ने अपने समस्त कार्यक्रम को सफलता के साथ संपन्न किया है। कोरोना महामारी के विकट परिस्थिति के बावजूद विभाग विद्यार्थियों के हित में प्रयासरत रहा है। लॉकडॉउन की स्थिति में भी विद्यार्थियों के लिए ऑनलाइन क्लास की व्यवस्था की गई जिससे वे ज्ञान से वंचित न रहें। समय-समय पर आवश्यकता अनुसार छात्राओं का मार्गदर्शन किया गया। उनको अपनी पढ़ाई ज़ारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। विद्यार्थियों ने परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके तथा प्रतियोगिताओं में अपनी भागीदारी दर्ज़ करते हुए अदम्य निष्ठा का प्रदर्शन किया है। इस दौरान कई सारी ऑनलाइन संगोष्ठियों का भी आयोजन किया गया। स्नातक के विद्यार्थियों ने अनुवाद पर आधारित प्रकल्प प्रस्तुत किया है एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों ने लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत किया है। एम. फिल के शोधार्थियों ने सफलता पूर्वक अपना शोध कार्य संपन्न किया । इस तरह विभाग के सभी सदस्य एवं विद्यार्थी विभाग के उत्तरोत्तर प्रगति के लिए संकल्पबद्ध हैं।

सफलता के शिखर पर

एम. फील शोधार्थी

श्रेयश्री गड़नायक
विषय: "शिकंजे का दर्द" में दलित नारी का जीवन संघर्ष
शोध निर्देशक: डॉ स्नेहलता दास

प्रतिश्रुति समांतराय
विषय: 'विद्रोह' उपन्यास में "दलितों का विद्रोह"
शोध निर्देशक: डॉ बिमला पात्र

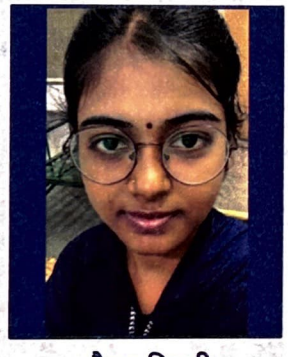

मौसम तिवारी
स्नातक में प्रथम स्थान

चिन्मयी राउत
स्नातकोत्तर में प्रथम स्थान

विभाग के सदस्य

डॉ. बिमला पात्र (विभागाध्यक्ष)
डॉ. स्नेहलता दास (सहायक प्रोफेसर)
विष्णुप्रिया भुक्ता (अतिथि अध्यापक)
डॉ. डी. मोहिनी (अतिथि अध्यापक)